नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ
देश–विदेश के आए वन्यजीव विशेषज्ञ

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ एंड फॉरेंसिक हेल्थ, वन विभाग मध्य प्रदेश एवं भारतीय वन्य जीवन संस्थान देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय चिड़ियाघर एवं वन्य जीव (एआईजेडडब्ल्यूवी) का 15 वां वार्षिक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन सिविल लाइन स्थित वेटरनरी महाविद्यालय, जबलपुर के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष माननीय डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि विधायक केंट माननीय अशोक रोहाणी, विवि के कुलगुरु माननीय प्रो. डॉ. मनदीप शर्मा, माननीय पीसीसीएफ (मुख्य) असीम श्रीवास्तव, माननीय पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन, एआईजेडडब्ल्यूवी (ऑल इंडिया जू एडं वाइल्ड लाइफ वेटनेरियन्स इंडिया) माननीय डॉ. अपूर्व चक्रवर्ती, वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा, कॉफ्रेंस संयोजक डॉ. शोभा जावरे ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन किया। इसके बाद पहलगाम में हुए नरसंहार को लेकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। कॉफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में आयोजन समिति ने सभी मंचसीन अतिथियों को अंग वस्त्र, पौधा एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

इसके बाद स्वागत उद्बोधन वेटरनरी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा ने दिया।

कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विवि के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. मनदीप शर्मा ने कॉफ्रेंस के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए कॉफ्रेंस में आए सभी डेलीगेट्स को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस तीन दिवसीय सम्मेलन के विषय को बहुत ही उपयुक्त बताया और कहा कि इस तरह के वैज्ञानिक सम्मेलन की आज वन्य जीव संरक्षण हेतु बहुत आवश्यकता है साथ ही उन्होंने कहा वन्य जीव को बीमारियों से बचाना हमारा कर्तव्य है उन्होंने इस सम्मेलन में पधारे विदेशी वैज्ञानिकों

और भारतीय वैज्ञानिकों को आपस में अपना ज्ञान आदान–प्रदान करने हेतु इच्छा जाहिर की। उन्होंने आशा जताई कि इस कॉफ्रेंस के बाद निश्चित ही वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में और काम बेहतर हो सकेगा। समारोह के विधायक अशोक रोहाणी ने कॉफ्रेंस को लेकर आयोजन समिति को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जबलपुर में आयोजित कॉफ्रेंस से निश्चित ही वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कुछ नया सामने आएगा। यह गौरव का विषय है कि जबलपुर में वेटरनरी विवि स्थित है और देश–विदेश के एक्सपर्ट्स दो दिन वन्यजीवों के संरक्षण पर मंथन करेंगे।

शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा जीवन बेस्ट और ईस्ट थ्योरी पर है। बेस्ट का मतलब मानव और ईस्ट का मतलब प्रकृति। प्रकृति आप की रक्षा करती है और आप प्रकृति की रक्षा करें। वन हेल्थ पर काम करने की जरूरत है। इसके लिए वेटनेरियन्स की बिल्ड कैपेसिटी बढ़ाने पर काम करना होगा। भारत के प्राचीन ज्ञान को प्रकृति के साथ बैलेंस करना पड़ेगा। मानवता को बचाने के लिए वेटरनियन्स को फ्रंट पर रखना होगा। कॉफ्रेंस की आउट पुट को शासन और काउंसिल को भेजें ताकि पॉलिसी और बेहतर बनाई जा सके।

पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव ने कॉफ्रेंस के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा विवि का वन विभाग के साथ गहरा नाता रहा है। विवि ने मध्य प्रदेश में वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ भोपाल शुभरंजन सेन ने विवि एवं आयोजन समिति को कॉफ्रेंस आयोजित करने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा यह कॉफ्रेंस वन हेल्थ अपरोच के लिए मददगार साबित होगा।

डॉ. अपूर्व चक्रवर्ती ने कहा इस तरह की कॉफ्रेंस को बहुत उपयोगी बताया। साथ ही उन्होंने एसोसिएशन के गठन और उसके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देश–विदेश से वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ शामिल होने से वाइल्ड लाइफ में बेहतर कोआर्डिनेटर का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में कॉन्फ्रेंस कंपैंडियम एवं सौवेनियर तथा इंडियन वाइल्डलाइफ ईयर किताब का विमोचन माननीय मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

कॉफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र विषेश योगदान देने के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से डॉ. एल.एन. आचार्य को नवाजा गया। साथ ही वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हेतु सम्मानित किया गया इनमें इसी क्रम में सीनियर वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट एवं एसडब्ल्यूएफएच के पूर्व निदेशक डॉ. एबी श्रीवास्तव, डॉ. गजराजा सिंह, डॉ. ए.के. शर्मा आईसीएआर–आईवीआरए बरेली, पद्मश्री डॉ. के.के. शर्मा, डॉ. जेएस चौहान, डॉ. वी.पी. चनपूरिया, डॉ. देवेन्द्र स्वरूप, डॉ. एन.वी.के. अशरफ, डॉ. एम.एल.वी. राव, डॉ. निरंजन साहू, डॉ. ए.पी. सिंह पूर्व

वी.सी. मथूरा यूनिवर्सिटी, डॉ. जवाहरलाल सिंग, डॉ. एम.के. भार्गव, तथा विदेश से पधारे वैज्ञानिक साउथ अफ्रीका से, कीनिया से डॉ. आईजेक, डॉ. क्रिस, सेंटपीटर्सबर्ग से रेक्टर, डॉ. क्रिल, डॉ. निकिटन वाइस रेक्टर, डॉ. बुद्दन यूएसए को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विदेश से कुल 15 वैज्ञानिक एवं छात्राएं सम्मिलित हुए हैं वहीं भारत से करीब 300 वैज्ञानिक एवं छात्राओं ने हिस्सा लिया है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. शोभा जावरे ने उद्घाटन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ पूनम शाक्य एवं डॉ. निधि राजपूत ने किया।

इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर पी.के. मिश्रा, विवि के कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर, भारतीय वन्य जीवन संस्थान देहरादून से पधारे डॉ. पराग निगम, सीसीएफ जबलपुर कमल अरोरा, कान्हा टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर रविन्द्र मणि त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के पूर्व अधिकारी जिसमें एस.एन.एस. परमार, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव आदि, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी गण महाविद्यालय के विभाग अध्यक्ष, डॉ लखनी, डॉ. आदित्य मिश्रा अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ आर.वी. सिंह, डॉ. जी. दास, डॉ. एस. घोष डॉ. अमोल रोकड़े, डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. अपरा शाही, डॉ राखी वैश्य, डॉ. कारमोरे, आईपीआरओ डॉ. सोना दुबे, सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय की फैकल्टी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनभर चले तकनीकी सत्र उद्घाटन अवसर के बाद द्वितीय चरण में दिनभर अलग–अलग विषयों पर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञों ने देश–दुनिया में वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र में चल रहे अनुसंधान कार्यों एवं नई तकनीकों के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से जानकारी दी।

कॉफ्रेंस के तीसरे चरण में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्र–छात्राओं द्वारा प्रेक्षा ग्रह में किया गया।

संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अधिष्ठाता डॉ आर.के. शर्मा संचालक वाइल्डलाइफ डॉ. शोभा जवारे डॉ. पराग निगम भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून, डॉ. गौरी आदि एवं इस सम्मेलन हेतु गठित विभिन्न समितियां के अध्यक्ष एवं सदस्य गणों का विशेष योगदान रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर